शायद कोई वर्मा हैं जो कि रिटायर्ड आफिसर हैं, वह वर्करों को भड़काते हैं कि तुम स्ट्राइक करो, तुम्हारा बेटर प्रोस्पैक्ट हो जायेगा, अगर नहीं करोगे तो कुछ नहीं होगा । क्या उनका वहां पर वर्करों को इस तरह से भड़काना सही है, अगर सही नहीं है तो क्या आप इन्क्वायरी करायेंगे और क्या स्टैप लेने जा रहे हैं, यह बतायेंगे ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है । माननीय सदस्य एक जिम्मेदार सदस्य हैं, उन्होंने बड़ी गम्भीरता से आरोप लगाया है और हम इसके बारे में गम्भीरता से छानबीन करेंगे ।

श्री लक्ष्मन लाल कपूर : यहां से जो मजदूर कुवैत जाते हैं और जो कंट्रेक्टर्स उनको यहां से ले जाते हैं, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या यह सही है कि वह सब कंट्रैक्टर्स उन मजदूरों को यहां से ले जाने से पहले ही उनसे काफी रुपया, 5, 5 हजार रुपया ले लेते हैं ?

वहां पर उन मजदूरों का जो वेतन तय होता है, उसमें से वह रुपया काट लिया जाता है जिसकी वजह से उन लोगों को वहां वेतन कम मिलने के कारण उनके साथ ज्यादतियां होती हैं । वही कंट्रैक्टर्स वहां की स्थानीय गवर्नमेंट को कहते हैं कि उनके खिलाफ एक्शन लो । क्या यह बात सही है, क्या मंत्री जी इसकी जांच करायेंगे और यहां से जाने वाले मजदूरों की व्यवस्था आपके माध्यम से हो, क्या ऐसी व्यवस्था करायेंगे ?

क्या यह भी सही है कि सरकार को बाध्य होकर वहां से काफी मजदूरों को अपने खर्च पर अपने देश में वापिस लाना पड़ा है ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जी हां, कुछ मजदूरों को हमें अपने खर्च पर वापिस लाना पड़ा है । इस तरह की शिकायतें मिली हैं कि कंट्रैक्टर्स या सब-कंट्रैक्टर्स मजदूरों को भर्ती करने से पहले उनसे रुपया लेते हैं, लेकिन इस मामले में अगर कोई निश्चित शिकायत मिलती है, तो हम उसकी जांच करते हैं । हम ऐसे कंट्रैक्टर्स को ब्लैक लिस्ट कर भी चुके हैं और आगे भी करेंगे, लेकिन मुझे लगता है कि कंट्रैक्टर वाला मामला ही ऐसा है कि जो अगर जारी रहा तो गड़बड़ होगी । लेकिन सरकार को प्रबन्ध करना पड़ेगा सब तरह के मजदूरों की मांग को पूरा करने का और यह प्रबन्ध जिस दिन हम कर लेंगे, उसी दिन संभव है इस कंट्रैक्टर पद्धति से छुटकारा मिल जाये ।

Report Captioned "Plot to Down-Grade India at U.N."

*537. SHRI M. RAM GOPAL REDDY: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the report published in "The 'Hindustan Times' of 1st August, 1978 'plot to down-grade India at United Nations'; and

(b) if so, Government's reaction thereon?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE): (a) Yes, Sir.

(b) The Government of India is not aware of any plot to down-grade India in the United Nations. The question of Indian representation in the United Nations Secretariat in constantly reviewed by Government and continuous efforts are made to ensure adequate representation by indians at higher level posts in the United Nations Secretariat.

SHRI M. RAM GOPAL REDDY: We were holding the post of Under-Secretary-General. Now, recently we got Assistant Secretary-General's post. That means, our position has been downgraded there. What is the reaction of the Government to this?

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Till now, Shri C. V. Narasimhan was working as Under Secretary-General for Inter-Agency Affairs and is due to retire soon. Lt. Gen. Prem Chand who was working on Assistant Secretary-General's post had already been retired. Now, in place of these two individuals, as a result of our talks, persuasion and some pressurization, we have been able to secure two important posts. Dr. A. Ramachandran has been appointed as Executive Director of the newly created Centre of Human Settlements in Nairobi with the rank of Under Secretary-General. There is another post. Dr. P. N. Dhar has been appointed Assistant Secretary-General in the Department of Economic and Social Affairs of the United Nations Secretariat. With these two appointments, it will not be correct to say that our position has been downgraded or India has lost some important position in the United Nations Secretariat.

SHRI M. RAM GOPAL REDDY: The Minister says that India has not been downgraded. India is already being denied its due in the UN Secretariat. Of the D-II posts, which are the highest after Assistant Secretary-General level, both Sri Lanka and Pakistan hold three each while India has only one. India has a higher percentage of posts in the Secretariat but that is only because of very junior posts held by it. How the Government is going to react to this?

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: I have a long list and even in the D-II posts, we have four posts and in D-1, 14. May I ask the hon. Member not to led by that press report? That press report is not correct.

SHRI K. LAKKAPPA: India's position in the Comity of Nations and in such organisations mainly depends upon the strategy, negotiations, persuasions and also statesmanship of the External Affairs Minister. It is most unfortunate today that for the last 15 months, we have been observing and after he has made the statement in the United Nations....

MR. SPEAKER: What is the question?

SHRI K. LAKKAPPA: All persuasion, mediation, negotiation and all diplomatic channels of genuine non-alignment—all this has only created an impression...

MR. SPEAKER: Mr. Lakkappa, what is your question?

SHRI K. LAKKAPPA: The intellectuals of our country have not been properly represented in the United Nations Secretariat. This has created a suspicion in the minds of the people of this country that there is some internal politics in your recruiting, giving promotion and negotiating for proper positions in the United Nations Secretariat. It is deliberate. Therefore, I would like to know whether you will kindly review the situation and see to it that India's image is not tarnished by not properly representing, negotiating, mediating and conciliating.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: I emphatically deny the allegations made by the hon. Member. India's presntation in the United Nations has not gone down and if my friend, Mr. Lakkappa would like to come to New York, he can inform me privately and I will make arrangements. Then Mr. Lakkappa can find out that I am not interested in mediation or negotiation or conciliation. I am interested in projecting India's correct image abroad and I have been able to do something in this respect.

SHRI RATANSINH RAJDA: I would like to know from the External Affairs Minister why did he allow Mr. P. N. Dhar, who was working with the former Prime Minister and who helped in promulgating Emergency in India.

SHRI ATAL BIHARI VAJAPEE: The United Nations wanted an eminent economist and by all standards Prof. P. N. Dhar in an eminent economist, and while selecting people we do not make such type of distinctions which the hon. Member would like us to make.

श्री भारत भूषण : ये जो नाम वहां जाते हैं जिन के लिए हमें प्रेशर इजेशन तक भी जाना पड़ता है, इन नामों को छांटने की जो भी प्रक्रिया हो, वह एकोनामिस्ट बहुत अच्छे हों, लेकिन यह उत्तर तो संतोषजनक नहीं है कि जिस व्यक्ति ने इस देश के अन्दर प्रजातंत्र को मिटाने में मदद की हो और पूर्व-प्रधान मंत्री के साथ मिल कर यहां पर वह तस्वीर उभारी हो जिस से सारा देश त्रस्त हो उठा हो वही एक अर्थ-शास्त्री था जिस को हमें वहां बनाना था ? इस के पीछे कौन से और दूसरे कारण थे ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, और कई कारण नहीं थे । हम ने कई नाम दिए थे । उन नामों में उन का भी नाम था । वह नाम जिन्हें नाम छांटना था, उन्हें अधिक उपयुक्त लगा । हमें भी इस में कोई आपत्ति नहीं दिखाई दी । मैं जनता पार्टी के सदस्यों से एक बात कहना चाहता हूं कि उस समय जो अफसर थे वे सरकार की सेवा में थे । वे अफसर सरकार द्वारा निर्धारित नीति पर अमल कर रहे थे । अगर किसी अफसर ने आउट आफ दि वे जाकर के या अतिक्रमण कर के कोई काम किया तो उस के बारे में तो वर्तमान सरकार कार्यवाही कर सकती है, उस अफसर के आचरण का परीक्षण कर सकती है लेकिन सिर्फ इसलिए कि कोई अफसर पुरानी सरकार के जमाने में भी था, इस आधार पर अगर हम भेदभाव शुरू कर देंगे तो हम तो सरकार नहीं चला सकते ।

DR. KARAN SINGH: I think, it is unfortunate that remarks have been made about Prof. P. N. Dhar, a person who is not here to defend himself. I would like to say with full confidence on the floor of the House that when there was big debate going on in the inner-most councils as to whether election should be held in this country or not, Prof. P. N. Dhar played a very important part in the decision that elections should be held and that we should go back to the people. I would, therefore, request the hon. Members on the other side that an individual should not be maligned just because he had been working in a certain place at that stage. He is a competent man and I do not think that any aspersion should be cast on him in the national interest.

MR. SPEAKER: It is only a suggestion.

श्री राज नारायण : अब राज खुल गया । अगर माननीय डा० कर्ण सिंह जी उत्तर न दिये होते . . . (व्यवधान) . . .

SHRI K. LAKKAPPA: On a point of order.

MR. SPEAKER: There is no point of order. . . . (*Interruptions*)

SHRI K. LAKKAPPA: There is a convention that only Ministers should occupy those seats. (*Interruptions*)

SHRI RAJ NARAIN: One should first deserve and then desire.

माननीय लक्कप्पा जी पुराने आदमी हैं—फर्स्ट डिजर्व देन डिजायर, पहले कोशिश करिए संसदीय प्रथा की जानकारी करने की और तब यहां सदन में बोलने के लिए उत्सुक हों । (व्यवधान)

SHRI K. LAKKAPPA: I take strong objection to the statement made by Mr. Raj Narain. I would like to ask whether he is a Minister now. He should go to his place and put the question. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: His seat is still there. It has not yet been changed.

श्री राज नारायण : आफिस को बता देना चाहिए कि अभी मेरी सीट यही पर है इसलिए मैं अपनी सीट से ही बोल रहा हूं ।

मैं आदरणीय वाजपेयी जी से एक निवेदन करना चाहता हूं कि बहुत ही एक्सपर्ट अर्थ-शास्त्री कम से कम दो प्रकार के तो होंगे ही—एक बुर्जुवा अर्थ-शास्त्री और दूसरे प्रोलिटेरियट अर्थ-शास्त्री । तो बुर्जुवा अर्थ-शास्त्र में श्री पी० एन० धर माहिर हैं या सर्वहारा अर्थ-शास्त्र में माहिर हैं क्योंकि दोनों के नुक्ते-नजर में बड़ा फर्क है । जिस अर्थ-शास्त्र ने तीस साल भारत में गरीबी और बेकारी बढ़ाई उसी अर्थ-शास्त्र को जनता पार्टी की सरकार अगर माने...

MR. SPEAKER: Please come to the question.

श्री राज नारायण : मैं विनम्रतापूर्वक निवेदन करूंगा कि इस दृष्टिकोण को बदलने की कृपा करें ।

दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं क्या माननीय वाजपेयी जी को इस तथ्य और सत्य की जानकारी नहीं है—मैं समझता हूं—कि कुछ लोग खानदानी गुलाम होते हैं, मुगल बादशाह, उनकी जी-हुजूरी, अंग्रेज, उनकी जी-हुजूरी, कांग्रेस, उसकी जी-हुजूरी और जनता पार्टी तो उसकी जी-हुजूरी । (व्यवधान)

मैं चाहता हूं माननीय वाजपेयी जी इस बात का उत्तर दें कि माननीय कर्ण सिंह जी ने जो स्पष्टीकरण दिया है, वे कश्मीर के रहने वाले हैं तो जैसा इन्दिरा जी के राज में चारों तरफ कश्मीर छाया हुआ था वैसे ही जनता पार्टी के राज में भी क्या कश्मीर छायेगा? (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, प्रो० पी० एन० धर स्वयं यूनाइटेड नेशन्ज जाने के लिये इच्छुक नहीं थे । वह यहां पर इंस्टीच्यूट आफ इकानामिक ग्रोथ में डायरैक्टर के रूप में काम कर रहे थे । वह किसी नौकरी की तलाश में नहीं थे...

श्री राज नारायण : यही तो गलती थी ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : माफ कीजिये, राज नारायण जी, वह बुर्जुवा अर्थ-शास्त्री हैं या प्रोलेटेरियट-वाले अर्थ शास्त्री हैं या राज नारायण जी की परिकल्पना के अर्थ-शास्त्र की व्याख्याता है—मैं इस विवाद में नहीं जा सकता । उन्हें यूनाइटेड नेशन्ज की सेवा के लिये चुना गया है, उन का अर्थ-शास्त्र यहां लागू नहीं होगा ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

औद्योगिक श्रमिकों के लिये समेकित समाज सुरक्षा योजना

*538 श्री एस० एस० सोमानी : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या औद्योगिक श्रमिकों के लिये समेकित समाज सुरक्षा योजना बनाने के उद्देश्य से सरकार का विचार कोई समिति गठित करने का है ;

(ख) यदि हां, तो प्रस्तावित समिति के निदेश पद क्या होंगे; और

(ग) समिति का गठन कब तक किये जाने की आशा है ?

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम कृपाल सिंह) : (क) से (ग). यह मामला विचाराधीन है ।

दिल्ली में यकृतशोथ और टाइफाइड के मामले

*539. डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : श्री के० मायन्ना :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि समाचार पत्रों में छपी खबरों के अनुसार दिल्ली में यकृतशोथ (हिपेटाइटिस) और टाइफाइड ज्वर के मामलों की संख्या चिन्ताजनक सीमा तक पहुंच गई है ;